बर्षः- 05
अंकः- 313
मुरादाबाद
(Monday)
09 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

महिलाओं में दम, हम नहीं हैं किसी से कमः अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अनोखा संदेश

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर द्रौपदी मुर्मू ने महिलाओं की उपलब्धियों और शक्ति की सराहना की। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सही अवसर और सहयोग मिलने पर महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकती हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन और उद्यमिता के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के जरिए आत्मनिर्भर बनकर विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिलाओं की शक्ति, उपलब्धियों और योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी से कम नहीं हैं और अगर उन्हें सही अवसर और समर्थन मिले तो वे हर क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं। रविवार को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सिर्फ महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करने का दिन नहीं है, बल्कि यह उनके सशक्तिकरण के लिए देश की प्रतिबद्धता को दोहराने का भी अवसर है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, न्यायपालिका, सशस्त्र बल, चिकित्सा, विज्ञान, तकनीक, कला, खेल और उद्यमिता जैसे कई क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं का जिक्र करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों के जरिए गांवों की महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं और गांव के विकास में नेतृत्व भी कर रही हैं।महिलाओं में दम, हम किसी से नहीं हैं कम%- मुर्मू ने आगे कहा कि महिलाओं में दम है, हम किसी से कम नहीं। हम में भी शक्ति है। उनका कहना था कि अगर महिलाओं

को अवसर और सहयोग मिले तो वे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि हालांकि महिलाओं ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन समाज में समान भागीदारी सुनिश्चित करने के रास्ते में अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि सास को अपनी बेटी और बहू के बीच भी फर्क नहीं करना चाहिए और बहू को भी बेटी की तरह सम्मान मिलना चाहिए। उनके अनुसार असली समानता तब शुरू होती है जब हर महिला को बेटी के रूप में सम्मान दिया जाए।मुर्मू ने शक्ति वॉक' कार्यक्रम की भी सराहना की- राष्ट्रपति मुर्मु ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आयोजित 'शक्ति वॉक' कार्यक्रम की भी सराहना की। इस कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने किया था, जिसमें प्रतिभागियों ने इंडिया गेट से विजय चौक तक पैदल मार्च किया। उन्होंने देशभर से आई महिलाओं के समर्पण और उत्साह की भी प्रशंसा की। राष्ट्रपति ने संविधान निर्माता बीआर आंबेडकर के प्रसिद्ध कथन को याद करते हुए कहा कि किसी समाज की प्रगति का सही मापदंड यह है कि वहां की महिलाओं ने कितनी प्रगति की है। महिलाओं के लिए चल रहीं कई योजना- मुर्मू- उन्होंने बताया कि भारत सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चला रही है। इनमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और मिशन शक्ति जैसी योजनाएं शामिल हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आज महिलाएं सिर्फ नौकरी करने वाली नहीं, बल्कि रोजगार देने वाली भी बन रही हैं। स्टार्टअप इंडिया के तहत समर्थित कई स्टार्ट-अप में महिला निदेशक हैं और सरकारी ई-मार्केटप्लेस पर दो लाख से ज्यादा महिला-स्वामित्व वाले एमएसएमई सक्रिय हैं। ग्रामीणों महिलाओं के लिए योजना का किया जिक्र-राष्ट्रपति ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों को बेहतर बाजार देने के लिए बजट 2026-27 में शी-मार्ट पहल शुरू की गई है, जिसके तहत हर जिले में समुदाय द्वारा संचालित रिटेल आउटलेट बनाए जाएंगे। अपने संबोधन के अंत में राष्ट्रपति मुर्मु ने लोगों से अपील की कि वे हर बेटी को शिक्षा, सम्मान और अवसर देने का संकल्प लें, महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता दें और समाज से हर तरह के भेदभाव को खत्म करने के लिए मिलकर काम करें। उन्होंने कहा कि ऐसा करके भारत दुनिया के सामने महिला सशक्तिकरण का आदर्श उदाहरण पेश कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

शंकराचार्य बोले, गाय के मांस से आय करने वालों को सनातन समाज कभी माफ नहीं करेगा

शंकराचार्य ने कहा कि बटुकों की चोटी खींचने का कार्य कोई विधर्मी ही कर सकता है। ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती रविवार को लालगंज पहुंचे। यहां उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने मीडिया और अनुयायियों को संबोधित किया। बृजेंद्र नगर के दुर्गा माता मंदिर परिसर में शंकराचार्य ने कहा कि जो व्यक्ति गौ माता को मानता है वह उस पर अत्याचार नहीं कर सकता। जो ऐसा करता है, वह किसी भी दशा में हिंदू नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि गाय के मांस से आय करने वालों को सनातन समाज कभी माफ नहीं करेगा।उन्होंने प्रयागराज में बटुकों के साथ हुई मारपीट और उनकी चोटी खींचने की घटना पर भी प्रतिक्रिया दी। करने वाले दोषियों के खिलाफ सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा कोई विधर्मी करता तो समझ में आता, लेकिन जो खुद को हिंदू कहते हैं और हिंदुओं के वोट से सत्ता में आते हैं, उन्हीं के शासन में ऐसी घटनाएं होना चिंताजनक है।शंकराचार्य ने कहा कि चोटी सनातन धर्म की ध्वजा के समान है। चोटी खींचना सनातन धर्म की ध्वजा पर प्रहार करने जैसा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि ऐसी घटनाओं पर कार्रवाई नहीं होती और पुलिस भी ऐसा करती है या उसका समर्थन होता है, तो वहां हिंदुओं की सरकार कैसे मानी जा सकती है।

यह संविधान और लोकतंत्र का अपमान, राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल उल्लंघन को लेकर TMC पर बरसे पीएम मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम के बहिष्कार को लेकर टीएमसी सरकार पर तीखा हमला बोला और इसे संविधान व लोकतंत्र का अपमान बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में आयोजित एक कार्यक्रम को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सम्मान के साथ समझौता किया गया और यह न केवल राष्ट्रपति बल्कि देश के संविधान का भी अपमान है। यह लोकतंत्र की महान परंपरा का भी अपमान है।प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संथाल समुदाय के एक बड़े सांस्कृतिक उत्सव में शामिल होने के लिए पश्चिम बंगाल गई थीं। लेकिन इस महत्वपूर्ण और पवित्र कार्यक्रम में उन्हें उचित सम्मान देने के बजाय टीएमसी ने उसका बहिष्कार किया। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति स्वयं आदिवासी समाज से आती हैं और वह हमेशा आदिवासी समुदाय के विकास और कल्याण को लेकर चिंतित रही हैं।

इसके बावजूद राज्य सरकार की ओर से कार्यक्रम के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई गई।टीएमसी सरकार पर सत्ता के अहंकार- प्रधानमंत्री के अनुसार, राज्य सरकार ने इस आयोजन को पूरी तरह अव्यवस्था के हवाले कर दिया। उनका कहना था कि यह घटना केवल राष्ट्रपति का अपमान नहीं है, बल्कि यह भारत के संविधान और उसकी मूल भावना का भी अनादर है। उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र की महान परंपरा में राष्ट्रपति का पद सर्वोच्च सम्मान का प्रतीक होता है। ऐसे में किसी भी राजनीतिक मतभेद से ऊपर उठकर इस पद की गरिमा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। पीएम मोदी ने टीएमसी सरकार पर सत्ता के अहंकार में डूबे होने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करती हैं। राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल उल्लंघन पर केंद्र सख्त- इससे पहले केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से इस संबंध में विस्तृत जवाब मांगा है। सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान प्रोटोकॉल, कार्यक्रम स्थल और मार्ग व्यवस्था से जुड़े नियमों के कथित उल्लंघन पर पश्चिम बंगाल सरकार से रविवार शाम 5 बजे तक जवाब तलब किया गया है। केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक जैसे वरिष्ठ अधिकारियों का स्वागत के लिए उपस्थित न होना ब्लू बुक के नियमों का उल्लंघन बताया है।

मायावती बोलीं - राष्ट्रपति के पश्चिम बंगाल दौरे पर हुआ घटनाक्रम दुर्भाग्यपूर्ण, ममता को दी सीख

बसपा सुप्रीमो मायावती ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उनके पद के अनुसार प्रोटोकॉल न मिलने पर नाराजगी जताई और कहा कि जो भी हुआ वो दुर्भाग्यपूर्ण था।बसपा सुप्रीमो मायावती ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पश्चिम बंगाल दौरे पर हुए घटनाक्रम को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है।

उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सीख देते हुए कहा कि राष्ट्रपति एक महिला होने के साथ ही आदिवासी समाज से भी आती हैं। सभी को संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों का सम्मान करना चाहिए।उन्होंने एक्स पर जारी किए गए बयान में कहा कि भारतीय संविधान के आदर्श व मान-मर्यादा के मुताबिक सभी को मा. राष्ट्रपति पद का सम्मान करना एवं इनके प्रोटोकाल का भी ध्यान रखना जरूरी है तथा इस पद का किसी भी रूप में राजनीतिकरण करना ठीक नहीं है।वर्तमान में देश की राष्ट्रपति एक महिला होने के साथ-साथ वे आदिवासी समाज से भी हैं लेकिन अभी हाल ही में पश्चिम बंगाल में उनके दौरे को लेकर जो कुछ भी हुआ वह नहीं होना चाहिए था। यह अति-दुर्भाग्यपूर्ण है। इसी प्रकार, पिछले कुछ समय से संसद में भी खासकर लोकसभा अध्यक्ष के पद का भी जो राजनीतिकरण कर दिया गया है यह भी उचित नहीं है। सभी को संवैधानिक पदों का दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आदर-सम्मान करना चाहिए व उनकी गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिये तो यह बेहतर होगा। इसी क्रम में संसद का कल से शुरू हो रहा सत्र देश व जनहित में पूरी तरह से सही से चले यही लोगों की अपेक्षा व समय की भी मांग है।बता दें कि राष्ट्रपति जब बंगाल में आदिवासी समाज के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचीं तो प्रोटोकॉल के अनुसार उनके स्वागत के लिए न ही मुख्यमंत्री मौजूद रहीं और न ही कोई मंत्री। इसके पहले कार्यक्रम स्थल को भी बदल दिया गया जिसे लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नाराजगी जताई।

सीएम ममता का पलटवार, कहा- बंगाल को निशाना बनाया जा रहा, नहीं हुआ प्रोटोकॉल का उल्लंघन

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे के दौरान कथित प्रोटोकॉल उल्लंघन पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की जिम्मेदारी निजी आयोजकों और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की थी। राज्य सरकार को कार्यक्रम की पूरी जानकारी भी नहीं दी गई थी, इसलिए उस पर अव्यवस्था या प्रोटोकॉल उल्लंघन का आरोप लगाना सही नहीं है।पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे के दौरान कथित प्रोटोकॉल उल्लंघन को लेकर चल रहे विवाद के बीच अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम में हुई अव्यवस्था के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार नहीं है। कोलकाता में पत्रकारों से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी निजी आयोजकों और

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की थी। इसलिए अगर कहीं कोई गड़बड़ी हुई है तो उसकी जिम्मेदारी भी उन्हीं पर आती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार को शनिवार को होने वाले राष्ट्रपति के कार्यक्रम की पूरी जानकारी भी नहीं दी गई थी और न ही सरकार को इस आयोजन में शामिल किया गया था। उनके मुताबिक, जब राज्य सरकार को कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी ही नहीं थी, तो उस पर प्रोटोकॉल उल्लंघन का आरोप लगाना सही नहीं है। सीएम ममता ने यह भी कहा कि गंदगी, ग्रीन रूम की समस्या और महिलाओं के टॉयलेट की कमी जैसी शिकायतें भी आयोजकों और एएआई की जिम्मेदारी हैं।पीएम मोदी के आरोपों पर पलटवार- मुख्यमंत्री ने कोलकाता के केंद्रीय धरना स्थल से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीएमसी सरकार पर राष्ट्रपति का अपमान करने का आरोप लगाया, जबकि वास्तविकता अलग है। उन्होंने प्रधानमंत्री की एक तस्वीर दिखाते हुए कहा कि तस्वीर में प्रधानमंत्री बैठे हैं और राष्ट्रपति खड़ी हैं। सीएम ममता ने कहा कि हम कभी ऐसा नहीं करते। यह भाजपा की संस्कृति है, हम कभी राष्ट्रपति का अपमान नहीं करते। संविधान का पूरा सम्मान करती हैं बंगाल सरकार- ममता- ममता बनर्जी ने यह भी स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल सरकार राष्ट्रपति के पद और संविधान का पूरा सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति देश का सर्वोच्च संवैधानिक पद है और राज्य सरकार हमेशा उसकी गरिमा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध रहती है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल को राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जा रहा है। राष्ट्रपति का सम्मान हर सरकारी की जिम्मेदारी- ममता- उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस मुद्दे को जानबूझकर बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं ताकि राज्य सरकार की छवि खराब की जा सके। ममता बनर्जी ने दोहराया कि राज्य सरकार ने राष्ट्रपति के दौरे के दौरान अपनी तरफ से सभी जरूरी सहयोग दिया था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति और संविधान का सम्मान करना हर सरकार और नागरिक की जिम्मेदारी है, और पश्चिम बंगाल सरकार इस जिम्मेदारी को पूरी तरह निभाती है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवसः सीएम योगी बोले- बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को धरती पर जगह नहीं मिलेगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बेटियों में अब खूब आत्मविश्वास है। उन्हें सुरक्षा दी जा रही है। बेटियां पर किसी पर निर्भर नहीं रहेंगी। जन्म के बाद से ही उनका नाम रजिस्टर होते ही उनके अकाउंट में पैसे आ जाएंगे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित रोजगार महाकुंभ 2026 को संबोधित करते हुए कहा कि बेटियों में खूब आत्मविश्वास होता है। उन्हें समान अवसर मिलने चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि उन्हें सुरक्षा मिले। प्रदेश में अब कानून का राज है। बेटियों की सुरक्षा

में सेंध लगाने वालों को धरती पर जगह नहीं मिलेगी। अगर किसी शोहदे ने बेटियों से अभद्रता की तो चौराहे पर यमराज के दूत उसका टिकट काटने के लिए बैठे हैं। सीएम योगी ने कहा कि कन्या सुमंगला योजना से प्रदेश की करीब 27 लाख बेटियां लाभांवित हो रही हैं। अब बेटियां किसी पर बोझ नहीं हैं। बेटी पैदा होती है और उसका नाम रजिस्टर में चढ़ता है तो उसके अकाउंट में पैसे आ जाते हैं। बेटियां किसी पर अब निर्भर नहीं रहेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को राजधानी में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में नारी शक्ति का सम्मान किया। महिला सशक्तीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित इस कार्यक्रम में न सिर्फ आधी आबादी का सम्मान किया गया, बल्कि उन्हें रोजगार के नए अवसर भी मिले। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थी महिलाओं को चेक, नियुक्ति पत्र व आयुष्मान कार्ड प्रदान किए। सीएम ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए 38.49 करोड़ रुपये की धनराशि का डीबीटी अंतरण भी किया। उन्होंने इस मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न योजनाओं की लाभार्थी महिलाओं से संवाद भी स्थापित किया।उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेटियों को विकास के समान अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। 1947 से 2017 तक उत्तर प्रदेश पुलिस में महिला कर्मियों की संख्या करीब 10 हजार थी जो कि अब 44 हजार से ज्यादा हो गई हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों में अब खूब आत्मविश्वास है।

संपादकीय Editorial

For Women Tourists

In search of a unique tourism offering within its tourism sector, Himachal Pradesh has begun work on the preliminary blueprint for the "She-Stay" scheme. The three-phase plan aims to enhance the female tourist experience by ensuring a safe environment, agile hospitality, sophisticated arrangements, and women's participation. Signing a signature assurance on the selection and authenticity of She-Stay properties, the scheme is developing a unique path through the "She Shield" mobile app, offering a locator, travel planner, diversified attractions, cultural exchange, and women's empowerment. While the individual steps of independent women define Himachal, the state's infrastructure development and collaboration with the private sector can also open up a new avenue of possibilities. The "She-Stay" concept is a branch of youth tourism, which has been seeking avenues of relaxation in Himachal's interior, tribal, and rural areas for the past decade. This segment is becoming a conduit for spiritual energy in Himachal's tranquility and experiencing the pristine nature of its culture. Many such youth groups either come here with the unique initiative of spending two or three months with their professional projects or seek a place in Himachal to rekindle the friendships they have shared throughout their education. Most IT professionals want to escape the stress and pressures of the corporate world and return to the mountains, refreshed by the weather, the purity, gentleness, and the generosity of the pollution-free environment. If Himachal wants to go a step further by increasing the participation of young women, then many of the state's rest houses, government hotels, homestays, and private tourism units should ensure that they are authorized for "she-stays." This is easily accomplished, but the biggest problem is women traveling. While the Himachal Transport Corporation can certainly conduct several successful experiments in this direction, the tourism and transport corporations will have to safely manage all stays within the package, from bookings to local sightseeing. One of the budgetary units for women's stay needs could be the HRTC's modern bus stands. If hotels are not possible, special hostels could be built within the bus stand premises. Furthermore, the HRTC could operate tourist taxis in collaboration with the private sector, making prepaid taxi services easier to travel within Himachal. Temple trusts could also provide safe shelter to women travelers by building special hostels within their premises, similar to pilgrimage stops. Local bodies at tourist destinations will now have to become ambassadors of tourism within their jurisdictions. Local bodies at tourist centers can develop properties based on their potential, where women tourists can find safe shelter. The state's Language and Culture Department and Tribal Administration should conduct such experiments to increase the number of women travelers and ensure their safe monitoring. All universities, medical colleges, and IT-affiliated educational institutions could make arrangements to give priority to women in the stays of young entrepreneurs, scholars, researchers, and professionals. If the Chaituduru IT Park, which has been under construction for a year and a half, is unable to accommodate IT companies, it should at least be converted into a work-from-home and living space for the young IT professionals traveling to Dharamshala from across India. Himachal is gaining popularity due to young tourists, and the participation of women among the visiting food and travel bloggers has also increased. Therefore, many events can be planned in collaboration with the youth visiting Himachal.

Bihar Without Nitish

Nitish Kumar is certainly going to the Rajya Sabha, but given the way he brought Bihar back on track and overcame numerous problems during his nearly 20-year rule, his successor will face the challenge of rapidly moving the state forward. Nitish Kumar resigned as Chief Minister of Bihar. He filed his nomination for the Rajya Sabha, possibly citing health reasons. Political speculation is rife over the selection of a new Chief Minister in Bihar. After the Bihar Assembly elections, there were speculations that Nitish Kumar, who was sworn in as Chief Minister for the tenth time, would not complete his five-year term. However, it was unlikely that he would decide to leave the reins of Bihar and go to the Rajya Sabha within five months. But ultimately, that is what is happening. He has filed his nomination for the Rajya Sabha, and now the wait is on to determine who will succeed him as Chief Minister. The question remains unanswered: will the state be led by a Janata Dal (United) leader or the BJP? The most likely scenario is that the Chief Minister's post will go to the BJP and the Deputy Chief Minister's post to the Janata Dal-United. However, it's difficult to say whether Nitish Kumar's son, Nishant Kumar, will enter politics and play a role in the new government. What is clear is that Nitish Kumar's long tenure as Chief Minister is coming to an end. This, in a way, marks the end of an era. Nitish Kumar's reasoning for his Rajya Sabha election was his desire to enter the upper house of Parliament, but this doesn't seem very convincing, as it doesn't seem natural for a Chief Minister and the supreme leader of his party to leave the reins of the state to serve in the Rajya Sabha. It's possible that Nitish Kumar decided to step down as Chief Minister due to health reasons. If this is indeed the primary reason for his decision to resign from the Chief Minister's post and join the Rajya Sabha, he deserves praise, as it is rare in today's world for leaders to relinquish such a high-ranking position due to poor health. As soon as news of his Rajya Sabha election surfaced, the opposition parties' cries of "the BJP forced Nitish Kumar to resign as Chief Minister" are exaggerated, as he is no ordinary leader. It's true that the BJP is the largest party in the Assembly, but the JD(U) is only four seats short of it. It's also worth noting that the JD(U) is in a much better position than in the previous Assembly. Therefore, any assessment that the BJP forced him to resign as Chief Minister cannot be justified. Nitish Kumar is certainly going to the Rajya Sabha, but given the way he has brought Bihar back on track and overcome numerous problems during his nearly 20-year tenure, his successor will face the challenge of rapidly moving the state forward.

Industry should come forward and showcase its potential through innovation.

Prime Minister Modi, in a post-budget webinar on "Technology, Reforms, and Finance for a Developed India," urged Indian companies to come forward with new investments and innovation. He urged industry to leverage the budget announcements and invest in research and development to remain globally competitive. He urged industry to increase innovation and investment. Industry should invest in R&D to remain globally competitive. The "Reform Partnership Charter" will form the foundation of a developed India. Addressing a post-budget webinar on "Technology, Reforms, and Finance for a Developed India," Prime Minister Modi stated that Indian companies should come forward with new investments and innovation and should demonstrate their proactiveness. He also urged industry to take advantage of the budget announcements. Ideally, there should be no need for such a push; industry should become proactive on its own. This is not the first time the Prime Minister has urged industry to showcase its potential through innovation. He has also been advocating that the industry should become capable of facing global competition and invest in research and development. Ironically, even our big businessmen, who have no shortage of capital, are not doing this. In the name of innovation, they mostly take on new projects that can generate quick profits. This is why they are unable to develop products that are in demand both domestically and globally. It is not unusual that despite becoming the fourth largest economy, only a few Indian products have some recognition and reputation globally. It is also no secret that due to a lack of funding for research and development, Indian industry is unable to compete with Chinese products and is unable to easily sell its products in the global market. While China's industry appears to be leading economic growth, Indian businesses are reluctant to even respond to government incentives. With the exception of a few business groups, our businesses generally are not actively pursuing global productivity. They are also not enthusiastic about making the quality of their products world-class. At a time when the government is signing free trade agreements with one country after another, and as a result, the markets of many developed countries will soon be accessible to Indian industry, they must gear up to take full advantage of these agreements. This is all the more so because the government is continuously striving to simplify procedures and improve ease of doing business. It would be appropriate that the 'Reform Partnership Charter', which the Prime Minister talked about, establishes cooperation between the government, industry, financial institutions, and academia, be seriously implemented so that it can become a strong foundation for a developed India.

Corruption in the Judiciary: Concrete Measures Needed

Corruption is not limited to any one aspect of the system. It pervades every aspect of the system, and the worrying thing is that it doesn't seem to be curbed. The CJI objected to judicial corruption in the new NCERT textbook. Teaching eighth-grade students about judicial challenges is a matter of controversy. Concrete measures are needed to address corruption in the judicial system. It's bound to be debated whether it's appropriate to teach eighth-grade students that corruption, a high backlog of cases, and a shortage of judges are among the challenges facing the judicial system. Since the Chief Justice of the Supreme Court objected to the revised chapter titled "The Role of the Judiciary in Our Society" in the new social science textbook of the National Council of Educational Research and Training (NCERT), stating that it appears to be a deliberate move, it's possible that the chapter may be removed from the book. However, if this happens, it won't eliminate the issue of corruption in the judiciary. Numerous cases of corruption in the judiciary have surfaced and are widely discussed. The most recent case of corruption involving former Delhi High Court judge Yashwant Verma was the subject of widespread controversy. Crores of rupees in half-burnt currency notes were recovered from his residence. Since the impeachment process against him has not yet been completed, he remains in office. Several other judges have also been embroiled in corruption. Impeachment proceedings were initiated against several of these judges, but none of them reached their conclusion. This does not mean that corruption exists in the judiciary. The previous NCERT textbook also mentioned the judiciary, but it was limited to the structure and role of the courts. It is difficult to understand why NCERT revised the text on the judiciary and, while providing details of pending cases, also cited former Supreme Court Chief Justice B.R. Gavai's statement that incidents of corruption within the judiciary negatively impact public trust. It's possible that he might offer an explanation, but the question arises: does this book also address the corruption prevalent in the executive and legislature in such detail? Corruption isn't limited to any one part of the system. It pervades every aspect of the system, and the worrying thing is that it doesn't seem to be curbed. It's difficult to say what benefit will be served by educating schoolchildren about "corruption in the judiciary," but there's no doubt that concrete measures must be taken to curb corruption, which pervades every sector, including the judicial system.

डॉक्टर की हत्या पूर्व साथी ने ही कराई थी, हत्यारों को दी थी 10 लाख की सुपारी

मुरादाबाद। नगीना क्षेत्र में डॉक्टर हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि अस्पताल के विवाद और पुरानी रंजिश के चलते इस हत्या की साजिश रची गई थी, जिसमें एक डॉक्टर ने ही सुपारी देकर हत्या करवा दी। 5 मार्च की शाम अभियुक्त विकास उर्फ छोटू निवासी ग्राम तिबड़ी थाना धामपुर फर्जी पैथोलॉजी रिपोर्ट दिखाने के बहाने शिवालय हेल्थ केयर सेंटर पहुंचा। वहां डॉक्टर राजकुमार मरीज देख रहे थे। इसी दौरान रिपोर्ट दिखाने के बहाने करीब पहुंचकर विकास ने डॉक्टर राजकुमार पर तमंचे से गोली चला दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।शनिवार को पुलिस ने विकास, आर्यन उर्फ राजननिवासी मधी हाल निवासी ग्राम जैतरा थाना धामपुर, तथा डॉ. नीरज कुमार निवासी ग्राम तिबड़ा थाना धामपुर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि 2018 में गाजियाबाद के एक अस्पताल में डॉ. नीरज और डॉ. राजकुमार साथ काम करते थे और दोनों में दोस्ती भी थी। 2022 में दोनों ने नगीना-धामपुर रोड पर सुमित्रा हॉस्पिटल खोला था। अस्पताल की आय से पहले डॉ. नीरज के लोन का भुगतान करने की बात तय हुई थी, लेकिन मनमुटाव के कारण वर्ष 2023 में डॉ. राजकुमार बिना पूरा हिसाब-किताब किए अलग हो गए। जनवरी 2024 में डॉ. राजकुमार ने शिवालय हेल्थ केयर सेंटर नाम से अपना अलग अस्पताल शुरू कर दिया, जिससे सुमित्रा हॉस्पिटल में मरीजों की संख्या कम होने लगी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ता गया। अभियुक्त विकास ने बताया कि डॉ. नीरज ने करीब छह महीने पहले हत्या की योजना बनाई थी और उसे 10 लाख रुपये की सुपारी दी गई थी, जिसमें से करीब 2 लाख 20 हजार रुपये एडवांस भी मिल चुके थे। घटना को अंजाम देने के लिए उसने तमंचा अपने साथी राजन से लिया था।पुलिस का कहना है कि अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

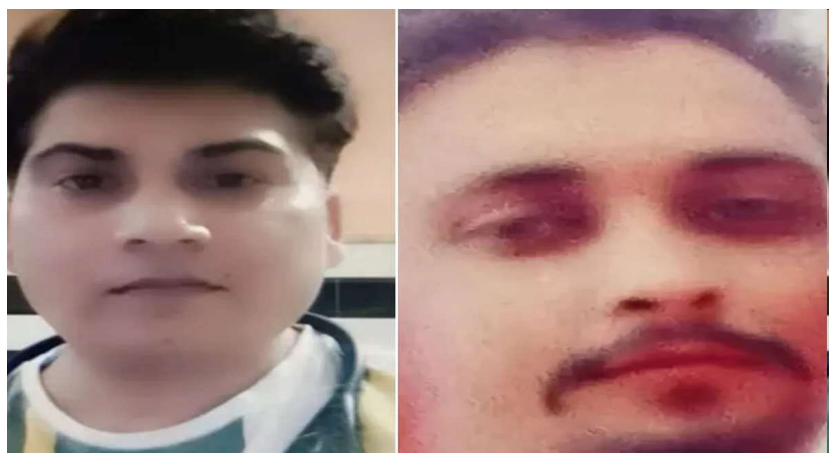

6 लाख उपभोक्ताओं पर पड़ेगा 3.96 लाख का हर माह बोझ

मुरादाबाद। सिलेंडर महंगा होने से जिले के 6 लाख उपभोक्ताओं पर 3.96 लाख रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। शनिवार को भारत सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर पर 60 और कमर्शियल गैस सिलेंडर पर 114.50 रुपये बढ़ा दिए हैं। घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग अब 25 दिन बाद हो सकेगी और सिलेंडर की पर्ची लेने से पहले एजेंसी पर ओटीपी देना होगी। इसके बाद सिलेंडर की डिलीवरी हो पाएगी। घरेलू गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से महिलाओं में रोष है। घरेलू गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से महिलाओं में काफी गुस्सा है वह कहती हैं कि सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर पर एक दम 60 रुपये बढ़ा दिए हैं। महिलाओं ने गैस सिलेंडर पर बढ़े हुए दाम वापस लिए जाने की मांग की है। कहा कि सिलेंडर के दाम बढ़ने से रसोई का बजट बढ़ जाएगा जबकि, आमदनी कम हो रही है। ऐसे में सरकार को इस ओर कदम उठाना चाहिए। अब सिलेंडर की कीमत 873 रुपये 50 पैसे से बढ़कर 933 रुपये 50 पैसे हो जाएगी।सरकार दाल-रोटी महंगी कर अब आम लोगों के घरों का चूल्हा भी बंद कराना चाहती है। अगर रसोई गैस के दाम बढ़ते हैं तो कई गरीबों के घर के चूल्हे बंद हो जाएंगे। सरकार को गरीब लोगों को ध्यान में रखकर फैसला लेने की जरूरत है। - अपर्णा सक्सेना सरकार महंगाई आए दिन बढ़ा रही है लोगों को दो वक्त की रोटी कमाना मुश्किल हो रही है। सिलेंडर पर 60 रुपये बढ़ाया जाना उचित नहीं है। सरकार बढ़ाए गए दाम को वापस ले ताकि, मध्यम वर्ग के रसोई का बजट नहीं बिगड़े। - रीनू तिवारी आकांक्षा श्रीवास्तव ने बताया कि सरकार ने एक दम प्रति सिलेंडर 60 रुपये बढ़ा दिए हैं। जिसके कारण मध्यम वर्ग के रसोई का बजट गड़बड़ा जाएगा। पहले सिलेंडर पर 1 रुपये बढ़ने पर शोर मच जाता था लेकिन, अब कभी 50 रुपये तो कभी 60 रुपये बढ़ा दिए जाते हैं। अनु श्री ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर पर 60 और कमर्शियल पर सरकार ने 114 रुपये 50 पैसे बढ़ा दिए हैं। सिलेंडर महंगा होने से महंगाई बढ़ेगी। रामपुर में 6 लाख उपभोक्ता हैं और उनपर प्रति माह 3 करोड़ 96 लाख का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

फिल्मी अंदाज में कूलरों से लदी पिकअप लूटी, बदमाश चालक को झांसा देकर फरार

मुरादाबाद। संभल जनपद के असमोली थाना क्षेत्र में अमरोहा से बहजोई जा रही कूलरों से लदी महिन्द्रा पिकअप गाड़ी को कार सवार बदमाश फिल्मी अंदाज में लूट ले गए। बदमाशों ने चालक को कूलर गिरने की आवाज बताकर गाड़ी रुकवाई और जैसे ही चालक नीचे उतरकर रस्सी कसने लगा, उसी दौरान बदमाश पिकअप लेकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए बदमाशों की तलाश में जुट गई है। गाड़ी चालक शाहिद हुसैन ने बताया कि वह अमरोहा में आनंद पिक्कर हॉल के पास रहने वाले मोहम्मद शाकिर के यहां से महिन्द्रा पिकअप (नंबर UP 23 T 5155) में करीब 20 कूलर लादकर संभल जिले के बहजोई स्थित अगस फर्नीचर के मालिक मुकुल के यहां लेकर जा रहा था। सोमवार तड़के करीब 4ः30 बजे जब वह संभल-जोया मार्ग पर स्थित मीत बिक्र बर्क ईंट भट्ठे के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रही एक शिफ्ट कार में सवार तीन-चार बदमाशों ने आवाज लगाई कि उसकी गाड़ी से कूलर गिर रहा है। यह सुनकर चालक ने गाड़ी रोक दी। चालक के अनुसार वह नीचे उतरकर कूलरों की रस्सी कसने लगा, तभी बदमाशों में से एक पिकअप में बैठ गया और कूलरों समेत गाड़ी लेकर मनोटा की ओर फरार हो गया। चालक कुछ दूर तक शोर मचाते हुए गाड़ी के पीछे दौड़ा, लेकिन बदमाश तेज रफ्तार से भाग निकले। इसके बाद चालक पास के ईंट भट्ठे पर पहुंचा और वहां मौजूद एक व्यक्ति का मोबाइल लेकर डायल 112 पर कॉल करने का प्रयास किया। कॉल न लगने पर उसने घटना की जानकारी कूलर के मालिक मोहम्मद शाकिर को दी, जो मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और पीड़ित को साथ लेकर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए बदमाशों की तलाश में जुट गई है।

बुद्धि विहार हत्याकांड : दूसरे धर्म की प्रेमिका से नहीं हुई शादी, हार्दिक करने लगा था बहन से नफरत

मुरादाबाद। बहन की हत्या करने वाले भाई को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बहन पर चाकू से हमला करने के दौरान हैवान बन गया, उसने 40 वार किए। मां पर भी चाकू से हमला किया, गनीमत रही कि चीख-पुकार सुनकार पड़ोसियों के पहुंच जाने से उनकी जान बच गई। कहा जा रहा है कि दूसरे धर्म की गर्लफ्रेंड से शादी नहीं हो पाई तो वह बहन से नफरत करने लगा था। थाना मझोला क्षेत्र के बुद्धि विहार सेक्टर दो में गणेश पार्क के नजदीक रहने वाली नीलिमा शर्मा इंश्योरेंस कंपनी में काम करती हैं। जबकि उनके जुड़वा बच्चे बेटा हार्दिक और बेटी हिमशिखा कंपनी में नौकरी करते थे। हिमशिखा आइटी कंपनी में असिस्टेंट मैनेजर थी। हार्दिक पहले गूगल कंपनी में काम करता था। बाद में वह यू-ट्यूबर बन गया। स्थायी नौकरी नहीं होने के कारण वह अवसाद में चल रहा था। होली की छुट्टी में दोनों तीन मार्च को घर आए थे। शुक्रवार को नीलिमा आफिस गई थीं, जबकि हिमशिखा और हार्दिक घर पर ही थी। इस दौरान दोनों में झगड़ा हुआ और हैवान बने हार्दिक ने चाकू से बहन पर हमला कर ताबड़तोड़ वार किए। बहन की मौके पर ही मौत हो गई। कंबल में लपेटा बहन का शव- पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक ने हिमशिखा के चेहरे, गर्दन, पेट, सीने पर 40 बार वार किए। इससे उसकी मौके पर ही मौत गई। बहन की मौत होने के बाद शव को कंबल में लपेटकर घर - ऑफिस से मां को गिफ्ट के बहाने बुलाकर लाया- घर से निकलकर सीधे मां के आफिस पहुंचा। आफिस में मां से बोला कि घर उनके लिए गिफ्ट रखा है, जल्दी चलो। मां ने मना किया तो जिद कर उन्हें साथ ले आया। मां जब घर में घुसी तो अंदर का हाल देखकर उनकी चीख निकल गई। इसके बाद हार्दिक ने उन पर भी चाकू से हमला किया। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी इकट्ठा होने लगे तो हत्यारा कार में बैठकर फरार हो गया। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मां-बेटी को अस्पताल पहुंचा। अस्पताल में चिकित्सकों ने हिमशिखा को मृत घोषित कर दिया। नीलिमा शर्मा का उपचार अभी चल रहा है। शादी का विरोध करने पर खोया आपा- गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में हार्दिक ने बताया कि वह पहले उसके साथ कार्य करने वाली पुणे की युवती से प्रेम करता था और शादी करना चाहता था, लेकिन दूसरा धर्म की होने के कारण मां और बहन विरोध करती थीं। बताया जा रहा है कि हार्दिक जब शादी के लिए मां और बहन को नहीं मना पाया तो उसका युवती के साथ ब्रेकअप को गया और वह अवसाद में चला गया। बहन ने उसे कई बार समझाया लेकिन उसकी हालत में सुधार भी आया। होली पर घर आने के बाद भी इस बात को लेकर विवाद हुआ। शुक्रवार को फिर से इस बात को लेकर हिमशिखा से झगड़ा हुआ तो वह अपना आपा खो बैठा और चाकू से ताबड़तोड़ वार कर बहन की हत्या कर दी। वह मान रहा था कि बहन ही मां को शादी के विरोध के लिए भड़का रही है, इसलिए वह अंदर ही अंदर उससे नफरत करने लगा था। पड़ोसी भी रह गए स्तब्ध- पड़ोसियों का कहना है कि मां और बच्चों में एक दूसरे काफी लगाव था। हर त्योहार पर बच्चे घर आते और साथ में खुशियां मनाते। साथ ही घूमने भी जाते। हालांकि, हार्दिक लोगों से ज्यादा घुलता मिलता नहीं था। हार्दिक इतना बड़ा कदम उठाएगा यह किसी भरोसा नहीं हो रहा है। वहीं, शुक्रवार को पुलिस ने हार्दिक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

संक्षिप्त समाचार

वायु प्रदूषण बढ़ा तो खुली हवा में सांस लेना मुश्किल

मुरादाबाद। क्लीन एंड ग्रीन मुरादाबाद की संकल्पना को वायु प्रदूषण मुंह चिढ़ा रहा है। इन दिनों वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) स्तर लगातार बढ़ रहा है। इसमें वाहनों से निकलने वाला धुआं के अलावा सड़कों पर उड़ती धूल और औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाली हानिकारक गैस कारक बन रही है। प्रभावी नियंत्रण का उपाय न होने से वायु प्रदूषण के अनहेल्दी श्रेणी में पहुंचने से लोगों को खुली हवा में सांस लेना मुश्किल हो रहा है। वायु प्रदूषण बढ़ने से लोगों की मुश्किलें बढ़ रही हैं। एलर्जी, दमा व सांस संबंधित मरीजों को वायु प्रदूषण बढ़ने से और परेशानी बढ़ रही है। खुली हवा में सांस लेने के लिए मार्निंग वॉक करने वाले भी वायु प्रदूषण का शिकार हो रहे हैं। क्योंकि उस समय वातावरण में नमी होने के चलते दिक्कत होने से उन्हें मास्क लगाना पड़ रहा है। वहीं दिन में वाहनों का धुआं लोगों की सांसों में जहर घोल रहा है। नगर निगम की ओर से वायु प्रदूषण नियंत्रित करने का उपाय भी प्रभावी साबित नहीं हो रहा है। वाटर स्प्रिंकलर से पानी का छिड़काव व मैकेनिकल रोड क्लीनिंग भी प्रदूषण का स्तर कम नहीं कर पा रहा है। होलिका दहन से निकला धुआं अभी भी वातावरण में व्याप्त होने की बात कही जा रही है। मोहल्ले वायु गुणवत्ता सूचकांक श्रेणी चक्कर की मिलक 169 अनहेल्दी- चौधरपुर 167 अनहेल्दी हरथला 162 अनहेल्दी हयात नगर 194 अनहेल्दी कांशीराम नगर 166 अनहेल्दी खुशहालपुर 164 अनहेल्दी कोठीवाल नगर 174 अनहेल्दी लाजपत नगर 173 अनहेल्दी ट्रांसपोर्ट नगर 170 अनहेल्दी

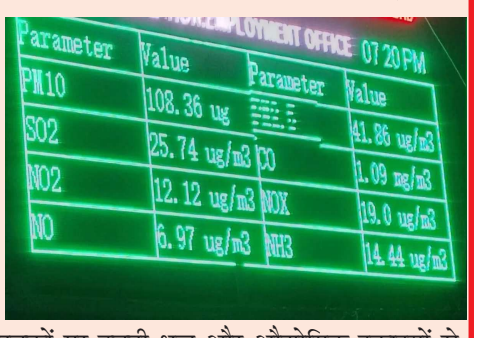

अब बीएलओ के पाले में एसआईआर प्रक्रिया, फार्मों की मैपिंग में पारदर्शिता के निर्देश

मुरादाबाद। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की गेंद अब बीएलओ के पाले में है। मतदाता बनने के लिए जिन्होंने फार्म 6 भरकर जमा किया है उनकी मैपिंग कर पोर्टल पर अपलोड करने का कार्य बीएलओ ही करेंगे। वहीं दावे व आपत्ति का समय बीतने के बाद अन्य औपचारिकता पूरी की जानी है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में दो बार निर्वाचन आयोग ने दावे व आपत्ति की आखिरी तारीख बढ़ाकर छह मार्च की थी। इस दिन तक डेढ़ लाख लोगों ने फार्म 6 भरकर मतदाता बनने के लिए दावा किया। इसमें अधिकांश नगर विधानसभा क्षेत्र के नागरिक हैं। जिसमें युवा वर्ग भी शामिल है। अब जमा किए गए फार्मों की प्रक्रिया बीएलओ को पूरी करनी है। इसके बाद मतदाता सूची का अनंतिम प्रकाशन अगले महीने किया जाएगा। अपर जिलाधिकारी प्रशासन संगीता गौतम का कहना है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में जो फार्म बीएलओ के पास रह गए होंगे उसे जल्द मैपिंग करने का निर्देश दिया है। आपत्तियों व दावों के संबंध में जमा किए गए डाक्यूमेंट का परीक्षण करने के बाद सूची में नाम शामिल करने या हटाने का कार्य होगा। अगले महीने मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

स्मार्ट सिटी बरेली में जल भराव से लोग हुऐ परेशान, मढ़ीनाथ शिव मंदिर के पास हालात बदहाल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रदेश सरकार द्वारा शहर को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने और सातों नाथ मंदिरों को तीर्थस्थल के रूप में संवारने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

लेकिन जमीनी स्तर पर हालात कुछ और ही नजर आ रहे हैं। मढ़ीनाथ रोड, वार्ड नंबर 13 स्थित शिव मंदिर के पास जलभराव की समस्या से स्थानीय लोग, राहगीर और स्कूली बच्चे काफी परेशान हैं। सड़क पर कई दिनों तक गंदा पानी भरा रहने से लोगों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय दुकानदारों और निवासियों का कहना है कि जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण सड़क पर गंदा पानी जमा रहता है, जिससे दुर्गंध फैल रही है और बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है।

क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि इस समस्या की शिकायत कई बार क्षेत्रीय पार्षद और नगर निगम अधिकारियों से की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन और नगर निगम से मांग की है कि जल्द से जल्द जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त कर सड़क की मरम्मत कराई जाए, ताकि स्मार्ट सिटी बरेली में लोगों को बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़े।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं ने मचाया धमाल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मुकेश सक्सेना की अध्यक्षता में अनुपम नगर, बदायूँ रोड स्थित,क्वयरू मुख्यालय पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने गीत गाकर और डांस प्रस्तुत कर उत्साह और उमंग के साथ समारोह को यादगार बना दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष मुकेश सक्सेना ने कहा

कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (आईडब्ल्यूडी) प्रतिवर्ष 8 मार्च को मनाया जाता है। यह दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों को सम्मान देने के साथ-साथ लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह दिन समाज में महिलाओं की भूमिका, संघर्ष और सफलता को दर्शाता है। कार्यक्रम के दौरान माया सक्सेना, मीरा मोहन, मंजू लता, प्रीती सक्सेना, सीमा प्रधान, ममता जौहरी, कुसुमलता, संगीता सक्सेना, शालिनी सक्सेना, पूजा सक्सेना, शिखा सक्सेना, रजनी सक्सेना, गरिमा सक्सेना, दीपशिखा और अंशिका जौहरी सहित कई महिलाओं को उपहार और पट्टिका भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सुधीर मोहन, श्याम दीप सक्सेना, अक्षय बिसारिया, शिवाजी सक्सेना सहित कई लोग मौजूद रहे। अंत में अध्यक्ष मुकेश सक्सेना ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सुभाषनगर पुलिस ने अवैध तमंचा व धारदार हथियार के साथ किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना सुभाषनगर पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक अभियुक्त को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नरेन्द्र प्रताप गंगवार (42) निवासी गंगवार वाली गली, मढीनाथ क्षेत्र को पकड़ा। उसके पास से एक नाजायज 12 बोर तमंचा, दो जिन्दा कारतूस, दो छुरी और एक लोहे का बांका बरामद किया। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ मु0अ0सं0 134/2026 धारा 3/4/25/35 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह तमंचा अपनी सुरक्षा के लिए रखता था और अदालत में अपने वकील के माध्यम से सफाई देगा।

सिविल सेवा के लिए 65 लाख की नौकरी छोड़ी, इसे कहते हैं आत्म विस्वास

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सुरेश शर्मा नगर निवासी आकाश गंगवार ने तीसरे प्रयास में यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा 2025 में 684 रैंक हासिल की है। आकाश ने 65 लाख रुपये का पैकेज छोड़कर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू की थी। आकाश ने बताया कि आईआईटी कानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग करने के बाद उन्होंने एक कंपनी में नौकरी की। इसके बाद जोमैटो में सॉफ्टवेयर डेवलपर के पद पर दो साल तक नौकरी की। यहां उनका पैकेज 65 लाख प्रति वर्ष का था। आईएएस बनने की चाह के चलते उन्होंने नौकरी छोड़ने का फैसला किया। मत्स्य विभाग में इंस्पेक्टर पिता के साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों ने भी साथ दिया।

पूर्णागिरि धाम के लिए दो जोड़ी विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल ने उत्तर भारत के प्रसिद्ध माता पूर्णागिरि मेला के मद्देनजर दो जोड़ी विशेष ट्रेनों का संचालन शनिवार से शुरू कर दिया। मेला का समापन 15 जून को होगा। तब तक इन मेला विशेष गाड़ियों का संचालन किया जाएगा। यह विशेष गाड़ियां श्रद्धालुओं का सफर आसान बनाएंगी। सीनियर डीसीएम संजीव शर्मा ने बताया कि 05308 बरेली जंक्शन-टनकपुर मेला विशेष गाड़ी बरेली जंक्शन से रोजाना रात 1:50 बजे चलने के बाद बरेली सिटी से 2:06 बजे, इज्जतनगर से 2:20 बजे, भोजीपुरा से 2¬38 बजे छूटेगी। ट्रेन पीलीभीत, न्योरिया हुसैनपुर, मझोला पकड़िया, खटीमा होते हुए सुबह 5:40 बजे टनकपुर पहुंचेगी। 05307 टनकपुर-बरेली जंक्शन मेला विशेष गाड़ी टनकपुर से रात 9:35 बजे चलने के बाद भोजीपुरा 11:57 बजे, इज्जतनगर 12:17 बजे, बरेली सिटी 12¬35 बजे और जंक्शन पर रात एक बजे आएगी। 05451 कासगंज-टनकपुर विशेष गाड़ी कासगंज से तड़के 4:35 बजे चलने के बाद 7¬20 बजे बरेली जंक्शन आएगी। बरेली सिटी 7:35 बजे, इज्जतनगर 7:55 बजे, भोजीपुरा 8:18 बजे और दोपहर 12¬15 बजे टनकपुर पहुंचेगी। 05452 टनकपुर-कासगंज मेला विशेष गाड़ी दोपहर 1¬10 बजे टनकपुर से चलने के बाद भोजीपुरा 7¬03 बजे, इज्जतनगर 4:22 बजे, बरेली सिटी 4¬40 बजे, बरेली जंक्शन 4¬55 बजे आएगी। यहां से चलने के बाद शाम 6¬02 बजे बदायूं और 10 बजे कासगंज पहुंचेगी।

बकाया टैक्स पर नगर निगम सख्त, तीन जोन में 12 भवन सील

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नगर निगम के संपत्ति कर विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 की समाप्ति की तारीख नजदीक आते ही कर वसूली के लिए कड़ा रवैया अपनाया। संपत्ति कर विभाग तीन जोन में निर्धारित समयावधि में बकाया कर जमा न करने वाले 12 भवन स्वामियों की संपत्तियों को शनिवार को सील कर दिया। मौके पर 7.59 लाख रुपये टैक्स की रिकवरी की है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी ने बताया कि सुबह 11 बजे निकली टीमों ने जोन वन में सिविल लाइंस के राधे श्याम, बांसमंडी के दारुल उलूम की सम्पत्तियां सील की गईं। जोन-दो में बांसमंडी के मोहम्मद अजीज, आलमगिरीगंज के मुन्ना लाल, बांसमंडी के मैसर्स राम गोपाल व अनिल कुमार के भवन सील हुए। जोन-तीन में सूफीटोला के मकबूल अहमद, गोविन्द राम, प्रदीप कुमार, अनुपम अग्रवाल की संपत्तियों पर शिकंजा कसा। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, और किसी को भी बकाया कर से बचने की छूट नहीं मिलेगी। सभी भवन व संपत्ति स्वामियों को चेतावनी दी है कि शीघ्र बकाया कर जमा करें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

महिला दिवस पर हुआ अस्मिता लीग का आयोजन, लड़कियों ने दिखाई प्रतिभा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर रविवार को स्पोर्ट्स स्टेडियम में अस्मिता लीग खेल का आयोजन हुआ। इस पहल का उद्देश्य 100/200/400 मीटर दौड़, रस्साकस्सी जैसे खेलों के माध्यम से ग्रामीण व छोटे शहरों की महिलाओं में शारीरिक फिटनेस, खेल भागीदारी और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। मेरा युवा भारत एवं खेलो इंडिया के समन्वय से अस्मिता लीग का आयोजन किया गया। ?यह आयोजन महिलाओं एवं बालिकाओं की खेलों में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने, फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा खेल संस्कृति को जमीनी स्तर तक सशक्त बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। प्रतियोगिताएं तीन आयु वर्गों 13 वर्ष से कम, 13-18 वर्ष एवं 18 वर्ष से अधिक में आयोजित हुई। प्रतियोगिताओं का तकनीकी संचालन अधिकृत प्रतियोगिता प्रबंधकों एवं खेल अधिकारियों द्वारा किया गया। प्रत्येक स्पर्धा एवं आयु वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को पदक प्रदान किए गए।

महिला दिवस पर पुलिस लाइन में सम्मान समारोह, प्रतियोगिताओं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बढ़ाया उत्साह

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक पीलीभीत सुकीर्ति माधव के निर्देशन में पुलिस लाइन परिसर में सम्मान समारोह एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को प्रोत्साहित करना और उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10 बजे उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन (वामा सारथी) की जनपदीय अध्यक्षा किरन जोशी (सामाजिक उद्यमकर्ता, तारा जोशी फाउंडेशन) तथा सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर नताशा गोयल द्वारा बच्चों की दौड़ प्रतियोगिता से किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस दौरान पुलिस लाइन परिसर में महिलाओं के लिए रंगोली व रचनात्मक प्रतियोगिता तथा बच्चों के लिए म्यूजिकल चेयर गेम प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाली महिलाओं एवं बालिकाओं को सम्मानित किया गया। वहीं खेल प्रतियोगिताओं में विजयी बच्चों को मेडल प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

इस अवसर पर पुलिस परिवार की महिलाओं व स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं द्वारा अपने उत्पादों के स्टॉल भी लगाए गए। सरला चौधरी, प्रतीक्षा, मंत्री देवी, आयुष्मान पटेल, रानी कश्यप, सुनीता देवी, बिन्दु, इंदु, मोनी चौधरी, सुनीता, नीलम, आरती, रूपाली, सरिता, पिंकी, चारू व रोशनी ने स्टॉल लगाकर अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया, जिसे लोगों ने सराहा।

कार्यक्रम के अंत में पुलिस परिवार की महिलाओं एवं बच्चों के साथ होली मिलन समारोह भी आयोजित किया गया। इस दौरान महिलाओं व बालिकाओं को प्रोत्साहन स्वरूप उपहार भी प्रदान किए गए।

कलीनगर में टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल का बड़े पर्दे पर होगा लाइव प्रसारण

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार /कलीनगर। क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। रविवार को होने वाले ICC Men's T20 World Cup के फाइनल मुकाबले में India national cricket team ¥õÚU New Zealand national cricket team के बीच होने वाला रोमांचक मैच कलीनगर की मेन मार्केट में बड़े पर्दे पर दिखाया जाएगा। नगर पंचायत कलीनगर के चेयरमैन प्रतिनिधि राजेश भारती के सौजन्य से शाम 07¬00 बजे से मेन मार्केट में विशाल एलईडी स्क्रीन पर मैच का लाइव प्रसारण कराया जाएगा। इस आयोजन को लेकर नगर और आसपास के क्षेत्रों के क्रिकेट प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

आयोजकों ने नगर व क्षेत्र के नागरिकों, युवाओं और खेल प्रेमियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस महत्वपूर्ण मुकाबले का आनंद लें और भारतीय टीम का उत्साहवर्धन करें। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य खेल प्रेमियों को एक मंच पर जोड़ना और देशभक्ति की भावना को मजबूत करना है। आयोजकों ने सभी लोगों से मेन मार्केट पहुंचकर मैच का लाइव प्रसारण देखने और टीम इंडिया का जोरदार समर्थन करने का आग्रह किया है।

अवैध खनन : रिछा क्षेत्र में रात के अंधेरे में हो रहा अवैध खनन, जिम्मेदार बने मौन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / देवरनियां। थाना देवरनियां क्षेत्र में अवैध खनन का खेल वेखौफ जारी है। रात के अंधेरे में खनन माफिया अवैध खनन कर रहे हैं, इसमें उन्हें पुलिस की सरपस्ती भी हासिल है। मामले की शिकायत आला अफसरों से की गई है। साथ ही अवैध खनन के फोटो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहे हैं। थाना देवरनियां क्षेत्र में वसुपुरा, रिछा स्टेशन शराब भट्ठी के पास, रिछा बैंक आफ बडौदा, बकैनिया अड्डे के पास,दमखोदा,रिछा राइस मिल आदि स्थानों पर खनन माफिया

- ♦ आला अफसरों से शिकायत, अवैध खनन के फोटो सोशल मीडिया पर वायरल।
- ♦ खनन माफियाओं को हासिल है इलाकाई पुलिस की सरपरस्ती।

जेसीबी मशीन से अवैध खनन कर मिट्टी पटान कर रहे हैं। अवैध खनन का यह खेल रात के अंधेरे में होता है। जुम्मेदार इस तरफ से आंखे फेरे हैं। अवैध खनन के? इस खेल में इलाके की पुलिस की भी सरपस्ती हासिल है। बताते हैं, कि खनन माफियाओं की पुलिस से सेटिंग है, हर रात का नजराना थाने और चौकी पहुंच जाता है, इसलिए पुलिस धरपकड नहीं ?करती है। अवैध खनन की शिकायत सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से यूपी ?पुलिस, डीएम और बरेली पुलिस से कर कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत में कहा गया है, कि अवैध खनन कर डम्परों से धडल्ले से पटान किया जा रहा है, जबकि अवैध खनन न होने को लेकर डीएम के सख्त निर्देश हैं, बावजूद इसके इलाके में वेखौफ अवैध खनन हो रहा है। इधर अवैध खनन करती जेसीबी मशीन और डम्परों के फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

पार्षद के खिलाफ शिक्षक पत्नी ने दर्ज कराई रिपोर्ट, लगाए गंभीर आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर में वार्ड 51 के भाजपा पार्षद महेश राजपूत के विरुद्ध उनकी शिक्षक पत्नी ने दहेज मांगने और पिटाई करने के आरोप में मामला दर्ज कराया है। इज्जतनगर थाना पुलिस ने पीड़ित महिला का मेडिकल परीक्षण कराया। मामले की जांच शुरू कर दी है। शाही क्षेत्र के गांव दुनकी निवासी पार्वती देवी ने बताया है कि वह शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि 26 जून 2023 को उनका विवाह नगरिया परीक्षित निवासी महेश राजपूत से हुआ था। महेश राजपूत वार्ड 51 से भाजपा के पार्षद हैं। विवाह के बाद से ही महेश राजपूत का व्यवहार ठीक नहीं रहा। महेश राजपूत दहेज की मांग करते थे। मना करने पर पिटाई करते थे। आरोप है कि पांच मार्च को पार्वती की तबियत खराब थी, तब महेश राजपूत ने उनकी पिटाई कर दी। पार्वती के गुम चोटें आई हैं। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में घटना कैद हुई है। पहले भी पिटाई करने के बाद महेश ने समझौता कर लिया था। अब इज्जतनगर थाना पुलिस मामला दर्ज कर आरोपों की नए सिरे से जांच कर रही है।

'आत्मनिर्भर महिला, समृद्ध समाज'': जिला पंचायत अध्यक्ष

पंडित श्यामा प्रसाद मुखजी ऑडिटोरियम तिलसिंवा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भव्य महतारी वंदन सम्मेलन जिला स्तरीय कार्यक्रम का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर/ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पावन अवसर पर सूरजपुर जिले में नारी सम्मान अंतर्गत विभिन्न भव्य आयोजन किये गये। पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम, तिलसिंवा में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाली 72 महिलाओं एवं स्वयं सहायता समूहों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ऑडिटोरियम में उपस्थित जन प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के बस्तर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के वर्चुअल साक्षी बने, जहां से महतारी वंदन योजना की 25वीं किस्त राशि का अंतरण मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। जिसमें जिले के 2,11,965 हितग्राहियों के खाते में ऑलाईन अंतरण किया गया।

महिला दिवस का उत्साह केवल जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं रहा। जिले भर में विकासखंड स्तर पर भी भव्य महतारी वंदन सम्मेलन एवं महिला मढ़ई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत भवन लटोरी, मंगल भवन प्रतापपुर, रामानुजनगर-प्रेमनगर, भैयाथान तथा ओड़गी में हजारों महिलाएँ एकत्रित हुईं और इस उत्सव में उमंग के साथ सहभागी बनीं। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक उन्नति पर अपने विचार व्यक्त किए। समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और महिलाओं को समान अवसर प्रदान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के सम्मान में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें जागरूकता कार्यक्रम, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा महिला अधिकारों पर चर्चा शामिल रही। साथ ही समाज में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणी देवपाल सिंह पैकरा ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सूरजपुर जिले की महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं कृ चाहे वह स्वयं सहायता समूह के माध्यम से उद्यमिता हो, शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन हो या ग्रामीण विकास में सक्रिय सहभागिता। उन्होंने कहा कि जब एक महिला आत्मनिर्भर बनती है, तो उसका पूरा परिवार और समाज आगे बढ़ता है। श्रीमती पैकरा ने महतारी वंदन योजना, बिहान एवं स्वयं सहायता समूह जैसी शासकीय योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका मूल उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें सम्मानपूर्ण जीवन प्रदान करना है। उन्होंने विशेष रूप से उन महिलाओं की सराहना की जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने हौसले को बुलंद रखा और सफलता के नए मापदंड स्थापित किए। अपने उद्बोधन के अंत में उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग से आह्वान किया कि बेटियों की शिक्षा सुनिश्चित करें, महिलाओं को आगे बढ़ने के समान अवसर दें और लैंगिक भेदभाव को जड़ से समाप्त करने में योगदान दें, क्योंकि महिलाओं का सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि सबकी सामूहिक और सतत जिम्मेदारी है।

कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने उपस्थित महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक नीतिगत लक्ष्य नहीं, बल्कि सच्चे और समग्र विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि जिस समाज में महिलाएँ शिक्षित, स्वस्थ और आत्मनिर्भर होती हैं, वह समाज निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहता है।कार्यक्रम में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों के स्टॉल लगाए गए तथा स्थानीय पोषक व्यंजनों का भी प्रदर्शन किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा एनीमिया जाँच एवं बीएमआई आकलन हेतु विशेष स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई गई जैसे लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा स्टॉल लगाएगा जिसमें जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले के समस्त जल स्रोतों का एफटीसी फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वन विभाग द्वारा लगाए गए स्लॉट में हर्बल उत्पाद के अंतर्गत विभिन्न उत्पाद जैसे शहर चवनप्राश मधुमेह नाशक चूर्ण वाला अचार वाला कैंडी त्रिफला चूर्ण जामुन जो शादी का प्रदर्शनी लगाया गया। शिक्षा विभाग द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की बालिकाओं द्वारा कबाड़ से जुगाड़ कर सामग्री निर्मित की गई समस्त सामग्रियों का निर्माण कम से कम लागत में किया गया है, उपरोक्त पहल छात्रों की क्षमता एवं तार्किक विकास को बढ़ावा दे रही है। उद्यान विभाग के द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें हितग्राही मूलक योजनाएं जो विभाग के द्वारा संचालित हैं जैसे सब्जी क्षेत्र विस्तार योजना अंतर्गत सब्जी फल फूल पुष्प के बारे में किसानों को जानकारी प्रदान की गई एवं पौध बीच का वितरण भी किया गया। कृषि विभाग के द्वारा भी स्टॉल लगाया गया था जिसमें प्राकृतिक खेती के अंतर्गत जैविक खाद्य, जीवामृत आदि के संबंध में महिला स्वयं सहायता समूह एवं उपस्थित महिलाओं को जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में श्रीमती नूतन विश्वास, श्रीमती विजयलक्ष्मी शुक्ल, पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष श्री भीमसेन अग्रवाल, श्री मुकेश गर्ग, सुश्री नेहा तिवारी, श्री बबलू गोयल, श्री मूरलीमनोहर सोनी, श्री दिपेन्द्र सिंह चौहान, श्री राजेश्वर तिवारी, श्री संदीप अग्रवाल, श्री शशीकांत गर्ग, श्री सचिन गोयल, श्री रामकृपाल साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम बंसल, विभागीय अधिकारी-कर्मचारीगण एवं जिले भर से बड़ी संख्या में महिलाएँ उपस्थित थीं।

प्रदेश सरकार संस्कृत शिक्षा को दे रही बढ़ावा

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार /पीलीभीत। संस्कृत को विश्व की प्राचीनतम भाषाओं में माना जाता है, जिसमें भारतीय सभ्यता और संस्कृति का विशाल ज्ञान भंडार निहित है। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक इस भाषा में लगातार साहित्य की रचना होती रही है। संस्कृत को देववाणी भी कहा जाता है और इसमें मानव जीवन के विभिन्न पक्षों का व्यापक वर्णन मिलता है। प्रदेश में संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। वर्तमान में प्रदेश में 1296 संस्कृत माध्यमिक विद्यालय संचालित हैं, जिनमें एक लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।सरकार द्वारा संस्कृत विद्यालयों के विकास और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए धनराशि भी उपलब्ध कराई गई है।

साथ ही विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए मानदेय शिक्षकों की तैनाती की गई है और शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। संस्कृत शिक्षा को आधुनिक स्वरूप देने के लिए पारंपरिक विषयों के साथ आधुनिक विषयों और एनसीईआरटी पाठ्यक्रम को भी शामिल किया गया है।

इसके अलावा रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पौरोहित्य, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष और योग जैसे डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं।सरकार द्वारा संस्कृत विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें, मध्याह्न भोजन और छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं, जिससे संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस : मुश्किल हालात भी नहीं रोक पाए बेटियों के बढ़ते कदम

मुरादाबाद। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं जो इंसान की हिम्मत और धैर्य की कठिन परीक्षा लेती हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो मुश्किलों के आगे हार मानने के बजाय उनसे लड़कर अपनी पहचान बना लेते हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दो ऐसी महिलाओं की कहानी है, जिन्होंने विपरीत हालात के बावजूद अपने हौसलों को कमजोर नहीं पड़ने दिया।एक ट्रेन हादसे में दोनों पैर गंवाने के बाद भी आत्मनिर्भर बनकर नया जीवन शुरू करने वाली आशा तोमर हैं, तो दूसरी ओर सीमित संसाधनों और पारिवारिक असहमति के बावजूद एथलेटिक्स में सपनों को साकार करने के लिए संघर्ष कर रही युवा खिलाड़ी आशी यादव। दोनों की कहानियां यह साबित करती हैं कि मजबूत इरादों के सामने मुश्किलें ज्यादा देर तक टिक नहीं पातीं।मूल रूप से दिल्ली के शाहदरा में जन्मी आशा तोमर की शादी के बाद उनका जीवन पिलखुआ में परिवार के साथ सामान्य रूप से चल रहा था। बच्चों की परवरिश और घर-परिवार की जिम्मेदारियों में व्यस्त थीं। 31 मार्च 2022 का दिन उनके जीवन में ऐसा तूफान लेकर आया जिसने सब कुछ बदल कर रख दिया। उस दिन हुए एक दुर्भाग्यपूर्ण ट्रेन हादसे में आशा तोमर ने दोनों पैर गंवा दिए। यह हादसा केवल शारीरिक क्षति ही नहीं था, बल्कि गहरी मानसिक और भावनात्मक परीक्षा था। हादसे के बाद उन्हें लगभग आठ महीने तक दिल्ली के अस्पताल में उपचार कराना पड़ा। इलाज के बाद जब वे पिलखुआ स्थित ससुराल लौटीं तो परिस्थितियां उनके अनुकूल नहीं थीं। बच्चे छोटे थे और उनकी देखभाल के लिए कोई स्थायी सहारा नहीं था। ऐसे कठिन समय में बहन कंचन चौहान सहारा बनकर आईं। कंचन उन्हें अपने साथ मुरादाबाद ले आईं और घर में जगह देने के साथ नया जीवन शुरू करने का हौसला भी दिया। शुरुआत में आशा ने एक छोटी सी टिफिन सर्विस शुरू की। मेहनत और लगन से किए गए इस काम से धीरे-धीरे उन्हें छोटे आयोजनों में भी भोजन व्यवस्था के अवसर मिलने लगे। समय के साथ उन्होंने अपने बलबूते एक छोटा कैटरिंग व्यवसाय खड़ा कर लिया और अब उन्हें नियमित रूप से ऑर्डर मिलने लगे हैं। आज आशा तोमर केवल एक उद्यमी ही नहीं, बल्कि एक शिक्षिका भी हैं। वह बहन के स्कूल में कक्षा तीन के बच्चों को पढ़ाती हैं। उन्होंने अपाहिज होकर किसी पर बोझ बनने के बजाय जिंदगी में संघर्ष की राह पकड़ी। परिणाम है कि वह दूसरों पर निर्भर न होकर बच्चों का भविष्य संवार रही है, साथ ही परेशानियों से हार मान जाने वालों के लिए उदाहरण भी प्रस्तुत कर रही हैं। सपनों की दौड़ में संघर्ष से आशी ने बनाई पहचान- नया गांव निवासी 17 वर्षीया आशी यादव को बचपन से ही खेलों में रुचि थी। स्कूल स्तर पर प्रतियोगिता में प्रतिभाग के दौरान मिली जीत के बाद उन्होंने एथलेटिक्स में करियर बनाने का निर्णय लिया। जब उन्होंने अपने माता-पिता से खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की इच्छा जताई तो शुरुआत में परिवार ने इसका विरोध किया और पढ़ाई पर ध्यान देने की सलाह दी। लेकिन, आशी ने अपने सपनों को छोड़ने के बजाय उन्हें पूरा करने का रास्ता तलाशा। उन्होंने सहेली के घर जाने का बहाना बनाकर स्टेडियम पहुंचना शुरू किया और वहां नियमित रूप से एथलेटिक्स का प्रशिक्षण लेने लगीं।लगातार अभ्यास और परिश्रम का परिणाम यह हुआ कि उन्होंने राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। आशी ने 800 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक और 1,500 मीटर दौड़ में रजत पदक हासिल किया है। हाल ही में उन्होंने गोवा में आयोजित ओपन नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी हिस्सा लिया। हालांकि इस प्रतियोगिता में उन्हें पदक नहीं मिल सका, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने का अनुभव उनके लिए आगे बढ़ने की नई प्रेरणा बन गया। पिता विजेंद्र यादव ऑटो चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। बेटी की सफलता के बाद उन्हें पहले के निर्णय पर पछतावा है और अब बेटी पर गर्व करते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद आशी का लक्ष्य एथलेटिक्स में देश का नाम रोशन करना है।

संक्षिप्त समाचार

ऐप्जा के होली मिलन में उमड़ा पत्रकारों का सैलाब, फूलों की होली से महका पूरनपुर ब्लॉक सभागार

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / ऑल इंडिया प्रेस जर्नलिस्ट

एसोसिएशन (ऐप्जा) के बैनर तले पूरनपुर ब्लॉक सभागार में आयोजित होली मिलन समारोह में पत्रकारों का उत्साह देखने लायक रहा। कार्यक्रम में फूलों की होली के बीच पत्रकारों और सारथी बोर्ड के कार्यकर्ताओं का भारी जमावड़ा रहा, जहां सभी ने एक-दूसरे को फूलों से सराबोर कर होली की शुभकामनाएं दीं। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष अभिषेक पांडे उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में संगठन की मजबूती और पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने पर जोर दिया। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार नवीन अग्रवाल की मौजूदगी ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संरक्षक राजकुमार राजू और मंडल अध्यक्ष अनुज सक्सेना ने की। आयोजन की व्यवस्था तहसील अध्यक्ष रामनिवास कश्यप और तहसील प्रभारी सबलू खान ने संभाली। इस अवसर पर ब्लॉक सभागार में होली का उल्लास छाया रहा। पत्रकारों ने फूलों की होली खेलते हुए आपसी भाईचारे और एकता का संदेश दिया। साथ ही क्षेत्र की समस्याओं और पत्रकारिता के समक्ष आ रही चुनौतियों पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में रुसान अहमद (तहसील उपाध्यक्ष) सहित क्षेत्र के अनेक पत्रकार और सारथी बोर्ड के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीलीभीत में पर्यटन व औद्योगिक विकास को नई गति, सूचना के अधिकार के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार /पीलीभीत। राज्य सूचना आयुक्त डॉ. दिलीप अग्निहोत्री ने वाईफरकेशन निरीक्षण भवन में जन सूचना अधिकारियों के साथ संवाद करते हुए जनपद के विकास कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पीलीभीत में पर्यटन और औद्योगिक विकास तेजी से आगे बढ़ रहा है और इस विकास यात्रा में जन सूचना अधिकारियों की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आवेदकों को समय पर और सही जानकारी उपलब्ध कराना जन सूचना अधिकारियों का दायित्व है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जन सूचना के माध्यम से जरूरतमंदों की समस्याओं का समाधान भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। राज्य सूचना आयुक्त ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे गांवों का भी अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रभावी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इस उद्देश्य से नौ इको विकास समितियों का गठन किया गया है, जिन्हें टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन के माध्यम से एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इन समितियों के माध्यम से सामुदायिक विकास, आजीविका संवर्धन और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं।उन्होंने बताया कि जनपद में औद्योगिक विकास भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। अमरिया क्षेत्र में एशिया का सबसे बड़ा खमीर प्लांट स्थापित किया जा रहा है और औद्योगिक हब के विकास की दिशा में भी कार्य चल रहा है। इसके साथ ही शारदा सागर के आसपास पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन केंद्र विकसित किया जा रहा है तथा नए बस स्टेशन के निर्माण की योजना भी प्रगति पर है। राज्य सूचना आयुक्त ने कहा कि पर्यटन, उद्योग और सूचना तंत्र के समन्वित विकास से पीलीभीत को नई पहचान मिलेगी और जनपद के लोगों को रोजगार व विकास के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

9 मार्च को गोमती सभागार में होगी महिला जनसुनवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती पुष्पा पाण्डेय एवं श्रीमती सुनीता सैनी की अध्यक्षता में महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों की समीक्षा व जनसुनवाई का आयोजन 9 मार्च 2026 को प्रात: 10ः30 बजे गोमती सभागार, पीलीभीत में किया जाएगा।इस जनसुनवाई में महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा की जाएगी तथा पीड़ित महिलाओं की शिकायतों को सुनकर उन्हें त्वरित न्याय दिलाने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। इसके उपरांत दोनों सदस्य अपराह्न 12 बजे पुष्प इंस्टीट्यूट, पीलीभीत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम में भी प्रतिभाग करेंगी।

साइबर क्राइम पुलिस थाना बहराइच द्वारा जागरुकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /भूपेन्द्र तिवारी/ ब ह रा इ च / आज राष्ट्रीय साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक जनपद बहराइच महोदय के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी के कुशल तथा श्री नारायण दत्त मिश्रा, क्षेत्राधिकारी नगर महोदय के मार्गदर्शन में बड़ी बेरिया माता मन्दिर जनपद बहराइच में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान लगभग 200-250 स्थानीय नागरिकों को मोबाइल फोन एवं सोशल मीडिया आईडी की सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित जनसमूह को निम्न बिंदुओं पर विशेष रूप से जागरूक किया गया– सोशल मीडिया खातों में टू-स्टेप वेरिफिकेशन (Two-Step Verification) अनिवार्य रूप से सक्रिय करना। मोबाइल फोन एवं महत्वपूर्ण एप्लीकेशनों में मजबूत एवं जटिल पासवर्ड का उपयोग करना। अज्ञात स्रोतों से प्राप्त लिंक एवं एपीके (APK) फाइल्स को डाउनलोड या ओपन न करना। साइबर ठगी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड, केवाईसी अपडेट के नाम पर होने वाले धोखाधड़ी से सतर्क रहना। इसके अतिरिक्त सभी को अवगत कराया गया कि यदि किसी के साथ साइबर फ्रॉड की घटना घटित होती है तो तत्काल नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल एवं टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को साइबर सुरक्षा संबंधी उच्चाधिकारीगण द्वारा प्राप्त निर्देशों से भली-भांति अवगत कराते हुए डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस टीम का विवरण– 1. प्रभारी निरीक्षक श्री रणजीत यादव, साइबर क्राइम पुलिस थाना, बहराइच। 2. उ0नि0 श्री दिनेश यादव 3. उ0नि0 श्री महेन्द्र कुमार यादव

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच /भूपेन्द्र तिवारी/ ब ह रा इ च/ अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/ एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर भ्रमण कर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनपद में

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा मिशन शक्ति के तहत उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। निम्नलिखित महत्वपूर्ण मुद्दों पर जानकारी दी गई– मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई, जिनमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन) योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना आदि शामिल हैं। साथ ही पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी जानकारी दी गई, जैसे– वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112 (इमरजेंसी कॉल/पैनिक बटन), सीएम हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि। इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को पम्पलेट वितरित कर उन्हें अपने अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

अपहरण के मुकदमें से संबंधित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /भूपेन्द्र तिवारी/ -) बीएनएस व बढोत्तरी धारा 87/65 (1) बीएनएस 5ग्6 पॉक्सो एक्ट बहराइच/ श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच द्वारा अपराध एंव अपराधियो के विरुद्ध कार्यवाही एवं रोकथाम जुर्म जरायम के संबंध में दिये गये निर्देश

के क्रम में श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक महोदय ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी व श्रीमान क्षेत्राधिकारी महोदय मिहींपुरवा श्री प्रद्युमन सिंह के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम जुर्म जरायम को रोकने हेतु थानाध्यक्ष श्री आनन्द कुमार चौरसिया के कुशल नेतृत्व में गठित टीम द्वारा दिनांक 08.03.2026 को अपहरण के अभियोग से संबंधित वांछित अभियुक्त 1.विजय कुमार उर्फ विजय बाबू पुत्र पटवारी निवासी रायपुर कमना थाना ईसानगर जनपद लखीमपुर खीरी को थाना क्षेत्र अन्तर्गत जालिमनगर पुल से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। उल्लेखनीय है कि दिनांक 07.12.2025 को अभियुक्त 1.विजय कुमार उर्फ विजय बाबू द्वारा आवेदिका के लडकी को बहला फुसला कर भगा ले जाया गया था, जिसके संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 565/25 धारा- 137(2) बीएनएस पंजीकृत कराया गया था ।

बीएनएस व बढोत्तरी धारा 87/65 (1) बीएनएस 5L/6 पॉक्सो एक्ट बहराइच/ 02 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच /भूपेन्द्र तिवारी/ बहराइच / आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया था, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा

प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र के कुशल काउंसलर्स श्री फहीम किदवई, श्रीमती अनुराधा श्रीवास्तव, उ0नि0 रमाशंकर मिश्र, म0आ0 गिरजावती यादव, म0मु0आ0 संगीता यादव, म0आ0 गिरजावती यादव, म0आ0 छाया द्विवेदी, म0आ0 अनन्या सिंह, म0आ0 सविता मिश्रा, म0आ0 निशी त्रिवेदी द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस लाइन बहराइच प्रेक्षागृह बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दम्पत्ति जोड़ों को एक-दूसरे के साथ आपस में सामन्जस्य स्थापित कर, परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी

महत्वपूर्ण प्रकरणों की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई।

क्यूँ न लिखूँ सच /भूपेन्द्र तिवारी/ पुलिस महानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र, गोण्डा श्री अमित पाठक द्वारा रेंज कार्यालय में जनपद गोण्डा से संबंधित विभिन्न बैठक के दौरान भ्रष्टाचार निरोधी हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों,

सड़क दुर्घटना से संबंधित विवेचनाओं में बीमा (इंश्योरेंस) मामलों में संभावित अनियमितताओं तथा शिक्षा विभाग से संबंधित दर्ज एफआईआर के प्रकरणों की बिंदुवार समीक्षा की गई। पुलिस महानिरीक्षक महोदय द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायतों का निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से परीक्षण करते हुए दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही सड़क दुर्घटना के मामलों में बीमा से संबंधित प्रकरणों की विवेचना पूरी सावधानी एवं तथ्यों के आधार पर की जाए, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता या अनुचित लाभ की संभावना समाप्त हो सके। शिक्षा विभाग से संबंधित प्रकरणों में भी विधिक प्रक्रिया के अनुसार त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने तथा विवेचना की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस अधीक्षक गोण्डा, अपर पुलिस अधीक्षकगण, क्षेत्राधिकारीगण तथा संबंधित थाना प्रभारी/विवेचकगण उपस्थित रहे।

नए आयकर अधिनियम 2025 पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा। आयकर विभाग द्वारा करदाताओं और कर सलाहकारों को नए आयकर अधिनियम, 2025, वित्त विधेयक 2026 एवं लघु

करदाताओं की विदेशी संपत्ति के प्रकटीकरण की योजना, 2026 के प्रावधानों से अवगत कराने के उद्देश्य से शनिवार, 7 मार्च को राजावत होटल, विदिशा में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आयकर विभाग के अधिकारियों तथा टैक्स लॉ बार एसोसिएशन के सदस्यों की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही। कार्यक्रम में आयकर अधिकारी, विदिशा श्री पवन कुमार, आयकर अधिकारी, बैतूल श्री देवेंद्र गर्ग तथा आयकर अधिकारी, रायसेन श्री पी. एम. सक्सेना सहित आयकर विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। अधिकारियों द्वारा उपस्थित कर सलाहकारों, अधिवक्ताओं एवं करदाताओं को नए आयकर अधिनियम 2025, जो कि 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाला है, की प्रमुख विशेषताओं एवं प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बताया कि नए आयकर अधिनियम का उद्देश्य कर प्रणाली को अधिक सरल, पारदर्शी और करदाताओं के लिए सहज बनाना है। इसमें कई जटिल प्रावधानों को सरल भाषा में प्रस्तुत करने तथा अनावश्यक धाराओं को हटाकर कर कानून को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया गया है। इस अवसर पर टैक्स लॉ बार एसोसिएशन के सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिनमें माननीय राघव जी की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में उपस्थित कर विशेषज्ञों और अधिवक्ताओं ने नए प्रावधानों से संबंधित विभिन्न प्रश्न भी पूछे, जिनका समाधान आयकर अधिकारियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में आयकर विभाग के अधिकारियों ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य करदाताओं और कर सलाहकारों को नए कर प्रावधानों की सही जानकारी प्रदान करना है, ताकि कर अनुपालन को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। कार्यक्रम में शहर के कई कर सलाहकार तथा अधिवक्ता उपस्थित रहे।

महिला दिवस पर साइकिल रैली से दिया 'फिट इंडिया' का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शिवपुरी में महिला सशक्तिकरण और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं और किशोरी बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए 'फिट इंडिया' का संदेश दिया।

कार्यक्रम में महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सीमा शिवहरे ने कहा कि महिलाओं की सामाजिक भागीदारी बढ़ने से न केवल महिलाएं सशक्त हुई हैं, बल्कि पूरे परिवार की खुशहाली और आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया है। बच्चों की शिक्षा के स्तर में सकारात्मक बदलाव हुआ है। उन्होंने कहा कि एक महिला का शिक्षित होना पूरे परिवार के शिक्षित होने के समान है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित किशोरी बालिकाओं से अपने लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक कंचन गौड़ ने बताया कि सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने महिलाओं से हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की अपील की।महिला दिवस सप्ताह के तहत फिट इंडिया वूमेन कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजना कार्यालय से जिला कार्यालय तक साइकिल रैली निकाली गई। रैली न्यू ब्लॉक होते हुए अस्पताल चौराहे तक पहुंची, जहां किशोरियों को स्वल्पाहार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में बाल संरक्षण अधिकारी राघवेंद्र शर्मा ने बताया कि 27 नवंबर से बाल विवाह मुक्त भारत के लिए 100 दिवसीय अभियान चलाया जा रहा था, जिसका प्रथम चरण आज समाप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह की समाप्ति तक यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर बालिकाओं और महिलाओं ने बाल विवाह समाप्त करने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी शहर नीरज गुर्जर, परियोजना अधिकारी नरवर रविरमन पाराशर, सामाजिक कार्यकर्ता जीतेश जैन, ममता संस्था से कल्पना रायजादा, वन स्टॉप सेंटर से मोहिनी पुरोहित, परियोजना शहर की सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं किशोरी बालिकाएं उपस्थित रहीं।

पत्रकार पर हमला, सरपंच के बेटे पर गैती से वार करने का आरोप

रिपोर्टिंग के दौरान मोबाइल छीनने की कोशिश, झूठे केस में फंसाने और जान से मारने की धमकी

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ आनंदपुर। ग्राम पंचायत आनंदपुर में जावती रोड पर चल रहे पाइपलाइन निर्माण कार्य की रिपोर्टिंग करना एक पत्रकार के लिए जोखिम भरा साबित हुआ। रिपोर्टिंग और वीडियो ग्राफिंग के दौरान सरपंच के पुत्र द्वारा पत्रकार पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार नवभारत के पत्रकार मनीष शर्मा को नल-जल योजना के तहत जावती रोड पर चल रहे पाइपलाइन निर्माण कार्य में अनियमितताओं की शिकायत मिली थी। इसी संबंध में वे मौके पर पहुंचकर

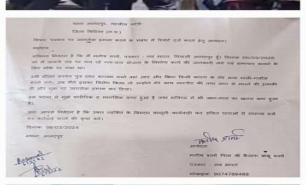

वीडियो ग्राफिंग कर रहे थे। उसी दौरान वहां पहुंचे सरपंच पुत्र राधा बल्लभ शर्मा, जिन्हें शासकीय शिक्षक बताया जा रहा है, ने पत्रकार का मोबाइल छीनने का प्रयास किया और गुस्से में आकर गैती से हमला कर दिया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए गैती पकड़ ली, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि समय रहते ग्रामीण बीच-बचाव नहीं करते तो गंभीर घटना हो सकती थी।बताया जा रहा है कि 2 मार्च 2026 को पाइपलाइन निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं को लेकर एक समाचार प्रकाशित हुआ था।

इसी खबर से नाराज होकर राधा बल्लभ शर्मा द्वारा पत्रकार के साथ यह घटना की गई।आरोप है कि घटना के दौरान उन्होंने पत्रकार को धमकाते हुए कहा कि मैं तेरी पत्रकारिता बंद करवा दूंगा और तुझे ऐसे मामले में फंसा दूंगा कि जिंदगी भर याद रखेगा। इसके साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना के बाद आरोपी कार में बैठकर मौके से फरार हो गया।ग्रामीणों का आरोप है कि राधा बल्लभ शर्मा शासकीय शिक्षक होने के बावजूद अक्सर गांव में खुद को सरपंच बताकर दबाव और दादागिरी करते हैं।घटना के बाद क्षेत्र के पत्रकारों और ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है तथा आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

पत्रकार के साथ दूसरा पक्ष ग्राम पंचायत आनंदपुर सरपंच पुत्र राधावल्लभ शर्मा द्वारा आरोप लगाया गाली गलौज एवं 50000 की अड़ी करने का आरोप संबंधित थाने आनंदपुर में आवेदन प्रस्तुत किया है।

पत्रकारों में आक्रोश आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर पूरे विदिशा जिले के पत्रकारों में नाराजगी

Want to make a boring weekend memorable? Explore these 7 cities in Rajasthan.

Everyone yearns for a trip as the weekend approaches. If you're planning a trip this time, be sure to explore the streets of Rajasthan. As the weekend approaches, the urge to travel makes you want to go out. Rajasthan could be the beautiful cities in Rajasthan with friends or weekend? If you're planning a short trip location. Each city has its own unique identity lakes, deserts, and many traditional markets. visit these places. Jaipur, the capital of Mahal is famous for its beautiful windows, can make your trip memorable by exploring Shopping lovers should definitely try the Jaisalmer: If you want to experience the true also known as the Golden City. You can visit Mata Temple with friends and family. Camel camping will make your weekend trip spending time in a quiet place away from the as the City of Lakes. It is famous for its enjoy a boat ride on Lake Pichola. Sunset on the lake shore. Jodhpur: Jodhpur in Mehrangarh Fort here is one of India's most

perfect place to visit this weekend. You can visit these family. Are you tired of spending the same boring instead of Netflix this time, Rajasthan could be the perfect and special features. Here, you'll find old forts, beautiful If you're headed to Rajasthan this time, don't forget to Rajasthan, is also known as the "Pink City." The Hawa while the Amer Fort is known for its ancient history. You the City Palace, Jantar Mantar, and beautiful markets. traditional jewellery and Rajasthani clothes here. beauty of the desert, you can visit Jaisalmer. Jaisalmer is the Jaisalmer Fort, beautiful mansions, and the Tanot rides in the sand dunes and the experience of overnight enjoyable. Udaipur is an excellent destination for hustle and bustle on the weekends. This city is also known romantic atmosphere and tranquil lakes. Here, you can lovers can also enjoy the beautiful view of the setting sun Rajasthan is also known as the "Blue City." The magnificent forts, where you can take beautiful photographs. Camel riding and camping in Jodhpur can be fun for both children and adults. When visiting, don't forget to sample local cuisine like Dal Baati Churma. Bikaner is famous for its historic fort and delicious Bhujia. The Junagarh Fort here captivates with its magnificent beauty. Gajner Palace, Lalgarh Palace, Karni Mata Temple, the Thar Desert, and Rampuria Havelis are also excellent places to visit. If you're looking for peace and tranquility away from the crowds, definitely visit Bikaner. Mount Abu: If you're looking for relief from the Rajasthan heat, Mount Abu is a great place. Boating in Nakki Lake and the beautiful valleys here refresh your mind. If you're visiting Mount Abu, be sure to visit the Dilwara Jain Temples. The magnificent architecture and beauty of the temple captivate your attention. This place is perfect for spending quiet time with family and friends. Ajmer: You can also visit Ajmer with friends this weekend. This city is known for its religious and historical significance. People of all religions come to pay homage at the Ajmer Sharif Dargah. If you're visiting Ajmer, you can also visit Pushkar Lake and the Brahma Temple. The spectacular views here will make your weekend memorable.

Arjun Tendulkar and Sania Chandok's wedding look is all the rage online, with sister Sara stealing the spotlight.

Everyone loved Arjun Tendulkar and Sania Chandok's wedding look. Sara Tendulkar also looked absolutely gorgeous on the special occasion. Sachin Tendulkar's son marries his girlfriend. Arjun Tendulkar and Sania Tendulkar steals everyone's attention with her of cricket legend Sachin Tendulkar, tied the March 5th. The wedding ceremony, held in including those from the cricketing world. The a hot topic on this star-studded evening. The the center of attention for their modern and which went viral as soon as they appeared on Sania's Traditional Bridal Look: Sania special day. The intricate embroidery, sequins, detailing on the border of the saree added a traditional style, giving her a simple look. Sania tikka, a kundan choker necklace, and red and bindi gave the overall look a classic bridal wife on the special occasion. He looked it with an embroidered bandhgala-style jacket. Along with this, off-white colored slim fit

Chandok's wedding look is going viral. Sara look at her brother's wedding. Arjun Tendulkar, son knot with his longtime girlfriend Sania Chandok on Mumbai, was attended by many prominent celebrities, Tendulkar and Chandok family's wedding look was bride and groom, along with Sara Tendulkar, were traditional looks on this special occasion. Photos of social media. Let's take a look at their elegant looks. Chandok chose a beautiful classic red saree for her and stonework on the saree made it exceptional. The royal touch to the entire look. She wore the saree in a kept her bridal look simple, completing it with a maang white bangles. Open hair, light makeup, and a red touch. Arjun Tendulkar was seen twinning with his absolutely handsome in a red silk kurta. He also paired The embroidery on the jacket made her look graceful. trousers added to the beauty of the red outfit. Sara Tendulkar's traditional glamour: Sara Tendulkar also attracted everyone's attention with her traditional style at Bhai's wedding. For this special occasion, she wore a pink colored Bandhani saree, designed by Manish Malhotra. Let us tell you that the saree was decorated with intricate Zardozi and silk embroidery, which made the saree even more attractive. She styled it with a hot pink silk blouse, which was decorated with multicolored Zardozi embroidery and jeweled tassels. Also, Sara completed her look with a heavy necklace, earrings, maang tikka, bangles and a big statement ring, which made her look even more beautiful.

Love isn't the only way to live together; personal space is also essential for relationships.

Everyone wants to spend every moment with their partner, but a lack of personal space often ruins relationships. Fights and arguments are common in every relationship. Sometimes, a lack of personal space can lead to a breakdown. Space is crucial in relationships. Whether love, friendship, or marriage, every relationship often begins with the expectation of spending as much time together as possible. From morning tea to the last conversation at night, being together every moment feels like a dream, but over time, this habit becomes a danger signal for many relationships. This raises the question: why does the companionship that once brought comfort later become a burden? You might be surprised to learn that sometimes distance is just as important for strengthening relationships as the habit of being together. A distance created at the right time can save a relationship from breaking. Let's explore why space is important in relationships. Why is personal space important? No one can be with each other 24 hours a day. Everyone has their own thoughts, preferences, and limitations. If you lack personal space in a relationship, it can feel suffocating. Therefore, there should be some distance in relationships, allowing each partner to connect with themselves, and this balance brings positivity to the relationship. Having personal space in a relationship has these benefits: Feeling of importance: If we get things easily or are with someone all the time, we start to take their presence for granted. However, a little distance can lead to a feeling of lack in the relationship. This lack helps to understand the other person's importance and strengthens love. Avoid unnecessary arguments: Fights and arguments are common in every relationship, but responding immediately to everything can worsen the situation. In such a situation, some time apart gives both partners a chance to calm down. This avoids unnecessary arguments and resolves matters amicably. Strengthens trust - Staying away doesn't mean you should doubt or ignore your partner. Maintaining distance from your partner demonstrates their loyalty. When two people maintain trust despite the distance, the relationship becomes stronger. This trust helps strengthen the foundation of the relationship.

A 24-carat gold dress, a 400 crore rupee expense... The film that bankrupted the makers while making it, and was released in a hurry.

A film whose repeated reshoots bankrupted the production house, it became a film that was both a hit and a disaster in history. Released 63 years ago, it was the most expensive film. The most expensive actress's dress was spent on it. The most popular film, which won four Oscars. Some films are destined for difficulties. Filmmaking faces so many obstacles that they are left incomplete, and some, even after being made, leave the makers bankrupt. A similar film was released 63 years ago, which was both a hit and a disaster. It may sound strange how a film could be both a hit and a disaster, but it was. Cleopatra, released in 1963, is the first film in history to be both a hit and a disaster. The makers spent so much money on this film that the production was on the verge of bankruptcy. The actress's fee was the highest. Cleopatra, a historical drama based on the Egyptian queen Cleopatra VII, was one of the most popular films. Produced under the banner of 20th Century Fox, the film took approximately five years to make. Elizabeth Taylor, the most successful actress of the time, was cast in the film. She received a fee of $1 million (approximately ?9.17 crore). The director was removed from the film. The film was being made on a grand scale. Rouben Mamoulian was the director. Work progressed slowly, but the budget was not increasing; only the film's budget was increasing. Eventually, Mamoulian was removed, and Joseph L. Mankiewicz took over the direction. Of all the scenes Mamoulian shot, only 10 minutes of the film was usable. The makers were on the verge of bankruptcy. Mankiewicz again. The producers ran out of needed more time to rewrite and adapt the story. However, the money was so depleted that the producers insisted on finishing it quickly. Dresses worth crores of rupees - Cleopatra was created for $44 million, or approximately Rs. 400 crores. You will be surprised to know that the budget for lead heroine Elizabeth Taylor's costumes in the film was $194,800 (1.78 crores). According to IMDb, Elizabeth had a total of 65 costumes in the film, one of which was made of 24-carat gold. The film was released and grossed $57.7 million (Rs. 529.15 crores) worldwide. The film was highly praised and received nine Oscar nominations. It won four Oscars, including Best Costume Design and Best Visual Effects.

Ram Gopal Varma has now clarified his comments, explaining why he deleted the post.

Last year, Ram Gopal Varma made a controversial comment about Kiara Advani's bikini look, for which he was heavily trolled. Now, Ram has responded to his comments. Ram Gopal Varma clarified his comments on Kiara's bikini. He had commented on Kiara Varma explained the and then deleted the post. Ram Gopal the trailer for "War 2" reason for deleting the post. Last year, when took a dig at Kiara was released, Ram Gopal Varma indirectly widespread criticism. Advani's bikini look, which led to Ram Gopal Varma has He later deleted his tweet. Now, a year later, Advani's bikini look. responded to his comments about Kiara while clarifying... Ram Here's what he said in a recent interview controversial comment Gopal Varma's clarification on his Ram Gopal Varma said, "I don't really - In a conversation with Vicky Lalwani, because I've tweeted a described his comment as a compliment. He is that you're posting remember what I wrote or said in the tweet trailer, which is lot and it was a long time ago. What I mean backhanded an image of a beautiful girl in a bikini in a Ram Gopal Varma said provocative. I would consider it a watching the trailer. compliment." He doesn't hide his opinion - always done this. He that he commented on what he felt after women. He said, "Even The director further explained that he has hidden my comments doesn't hesitate to comment on beautiful open about it, even since the days of Rangeela, I have never everything the way I am." Ram Gopal Varma said that he has been very expressive and he is never going to change himself. When asked why he deleted the tweet, he admitted that he does not remember why he did so.

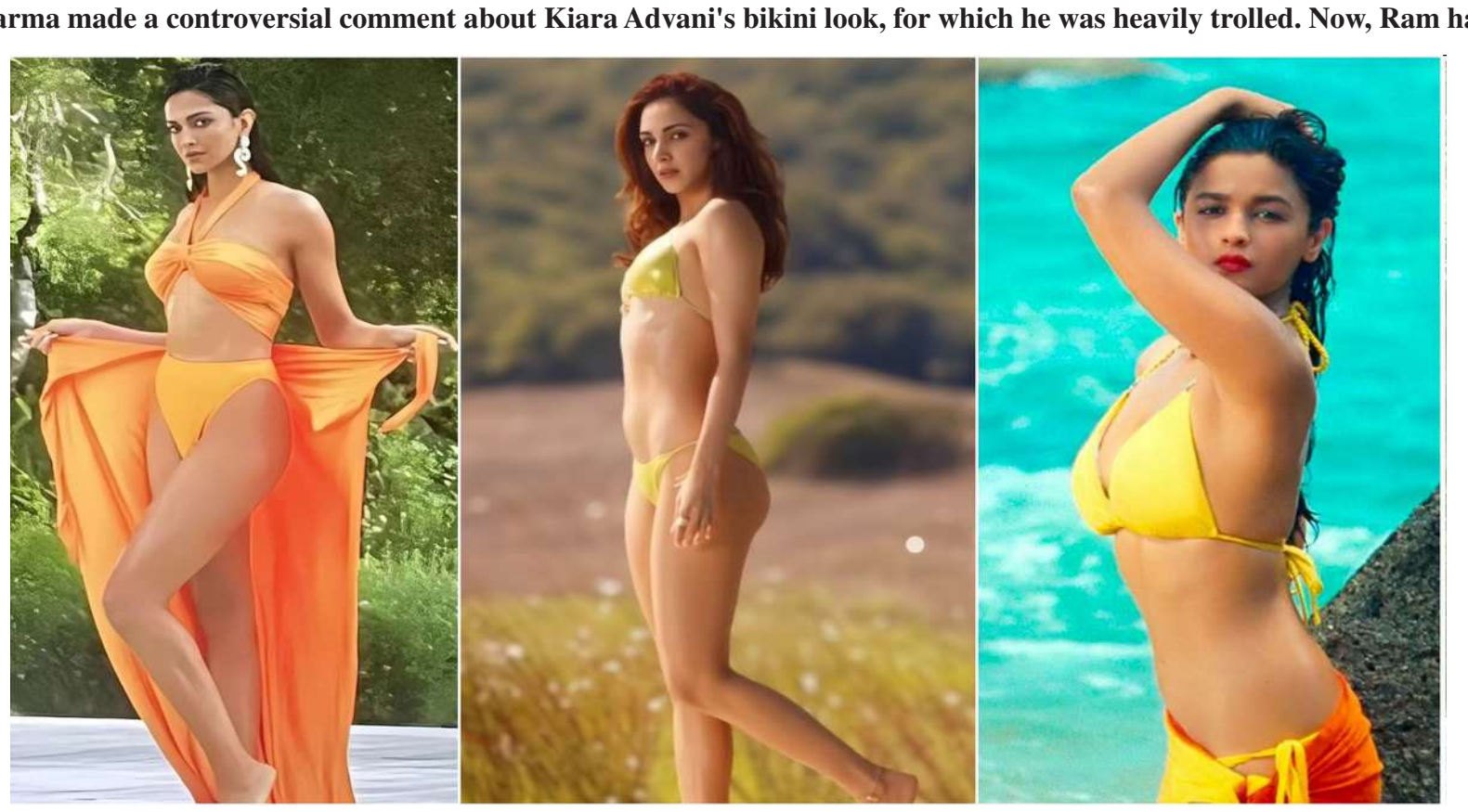

"A black face on a donkey..." When Irrfan Khan's film sparked a storm, Jaya Bachchan handled the situation.

Tigmanshu Dhulia recalled receiving threats while shooting "Haasil" in Allahabad. He said Jaya Bachchan intervened and helped resolve the matter. When Tigmanshu Dhulia received threats in Allahabad while shooting an Imran Khan-starrer, Jaya Bachchan handled the situation. Filmmaker Tigmanshu Dhulia recently spoke about the difficulties he faced while shooting his debut film, "Haasil," in his hometown of Allahabad (now Prayagraj). The director explained that the film's depiction of student politics led to strong opposition from local political figures, forcing him to seek help from Jaya Bachchan. Released in 2003, "Haasil" garnered critical acclaim for its portrayal of campus politics in Uttar Pradesh. In this film, Dhulia worked for the first time with Irrfan Khan, who later worked with him in famous films like Paan Singh Tomar and Saheb, Biwi Aur Gangster. Featuring powerful performances by Irrfan Khan, Ashutosh Rana, and Jimmy Shergill, the film became known for its strong portrayal of student politics in the Hindi heartland. "People thought I was portraying the university in a negative light," Tigmanshu Dhulia said in an interview. "When I was shooting Haasil in Allahabad, the first scene we shot was Ashutosh Rana's entry. In the film, he plays the university president. In a story, if there is Ram, there must be Ravana too. Because I shot the Ravana scene first, people thought I was portraying the university in a negative light." Threatened to be paraded on a donkey - "There used to be a student leader in the university named Laxmi Shankar Ojha. In the film, Ashutosh's character's name was Laxmi Shankar Pandey (later changed to Gauri Shankar Pandey). Soon I got a call saying, 'Make a film about us!' They said they would blacken my face and parade me on a donkey." Dhulia explained that tensions quickly escalated, and he was summoned to the District Magistrate's office. "This was the first time a film was being shot in the city. I hadn't become 'Tigmanshu Dhulia' yet; this was my first film. I went to my hometown very excited, thinking I would be shooting there." "But soon people became very active, and I was summoned to the District Magistrate's office. Around 20-25 former presidents of Allahabad University were present there. They surrounded me and started threatening me." They said they would break the windows of the traveler's hotel, set it on fire, blacken my face, and parade me around the city on a donkey. "I was scared and started crying" - Dhulia admitted that the situation affected him emotionally. He said, "This was in 2001. I was scared and started crying. All my emotions came out. I had come to my own city and I felt insulted there. I am also a graduate from Allahabad University." Jaya Bachchan intervened - The matter was finally resolved when Dhulia spoke to Jaya Bachchan, who helped resolve the matter. He said, "I had to call Jaya Bachchan ji. If she hadn't helped, it would have been a big problem. She called Amar Singh ji to intervene, and the matter was resolved." Then the director decided that the name of the city would not be taken in the film, hence the film will not be named Allahabad. Haasil, released in 2003, was directed by Tigmanshu Dhulia and Irrfan Khan, Jimmy Shergill, Rishita Bhatt, Ashutosh Rana played important roles in it.